देखो माँ के भवन के नज़ारे

पावन बेला आई देखो, मेला लगा अपार,
माँ के जयकारों से देखो, गूंज रहा दरबार.....

देखो माँ के भवन के नज़ारे,
देखो माँ के भवन के नज़ारे
चलो चलें माँ के द्वारे पर,
बोल के जय जयकारे।
देखो माँ के भवन के नज़ारे
देखो माँ के भवन के नज़ारे.....

चलते जाओ तुम रस्ते की मुश्किल को ना देखो,
माँ के दर पर आकर फिर तुम माँ के प्यार को देखो,
माँ के प्यार को देखो।
आओ आओ मईया जी के द्वारे,
देखो माँ के भवन के नज़ारे
देखो माँ के भवन के नज़ारे.....

आठ पहर हर इक घड़ी, हर दम माँ को ध्याओ,
माँ से जो भी मांगोगे फिर, वही मुरादें पाओ,
वही मुरादें पाओ।
आओ आओ मईया जी के द्वारे,
देखो माँ के भवन के नज़ारे
देखो माँ के भवन के नज़ारे.....

माँ के आंचल की छाया मिलती है किस्मत वालों को,
अवसर बीत ना जाए पी लो, तुम अमृत के प्यालों को,
अमृत के प्यालों को।
आओ आओ मईया जी के द्वारे,
देखो माँ के भवन के नज़ारे.
देखो माँ के भवन के नज़ारे
चलो चलें माँ के द्वारे पर,
बोल के जय जयकारे
देखो माँ के भवन के नज़ारे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23286/title/dekho-maa-ke-bhawan-ke-nazare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |